

## विषय-क्रम

आमुख

*iii*

यह पुस्तक

*v*

भाषा संगम

*xx*

(तमिल कविता का हिंदी अनुवाद)

1. मातृभूमि (कविता)	सोहनलाल द्विवेदी	1
पुष्प की अभिलाषा (पढ़ने के लिए)	माखनलाल चतुर्वेदी	12
2. गोल (संस्मरण)	मेजर ध्यानचंद	13
एक दौड़ ऐसी भी (पढ़ने के लिए)		24
3. पहली बूँद (कविता)	गोपालकृष्ण कौल	25
4. हार की जीत (कहानी)	सुदर्शन	33
5. रहीम के दोहे (दोहा)	अब्दुर्रहीम खानखाना	45
6. मेरी माँ (आत्मकथा)	रामप्रसाद 'बिस्मिल'	51
7. जलाते चलो (कविता)	द्वारिका प्रसाद 'माहेश्वरी'	60
8. सत्रिया और बिहू नृत्य (निबंध)	जया मेहता	75
9. मैया मैं नहिं माखन खायो (पद)	सूरदास	94
10. परीक्षा (कहानी)	प्रेमचंद	105
11. चेतक की वीरता (कविता)	श्यामनारायण पांडेय	122
12. हिंद महासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान (यात्रा वृतांत)	रामधारी सिंह 'दिनकर'	128
13. पेड़ की बात (निबंध)	जगदीशचंद्र बसु	145
आओ बच्चो तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की (पढ़ने के लिए)	कवि प्रदीप	155
शब्दकोश		157
पहेलियों के उत्तर		165

## भाषा संगम

भारतवर्ष

अखिल विश्व में अतुलनीय उत्कर्ष !

हमारा भारतवर्ष !

ज्ञान और विज्ञान, अर्थ-परमार्थ-ध्यान;  
मान, आत्म-सम्मान, प्राण, धन-धान्य-दान;  
सुधा सिंधु रस-गान, काव्य-कृतियाँ महान;  
सब-कुछ जिसका है जग का आदर्श !

हमारा भारतवर्ष !

अखिल विश्व में अतुलनीय उत्कर्ष !

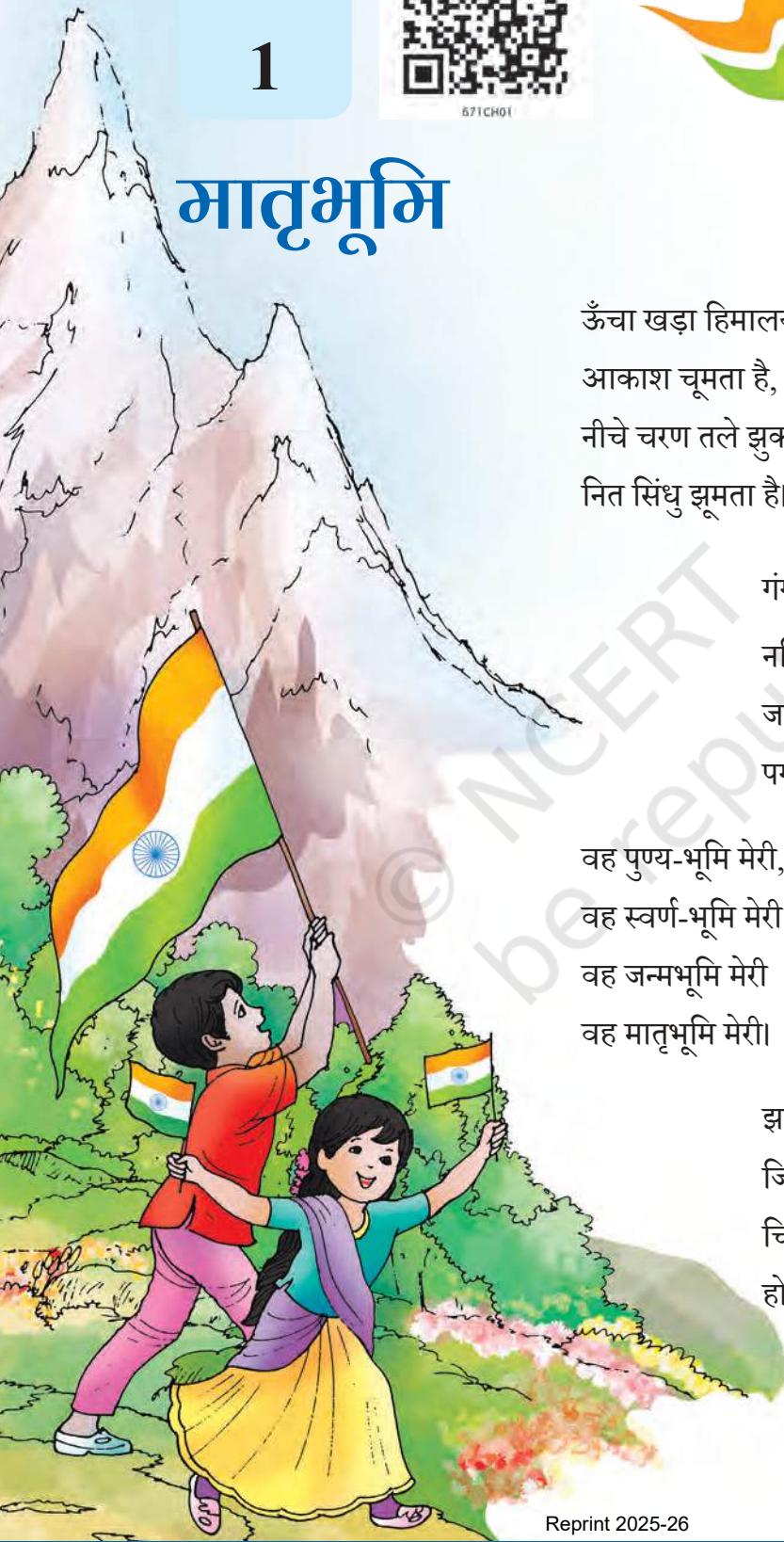
हमारा भारतवर्ष !

— सुब्रह्मण्य भारती

(तमिल कविता का हिंदी अनुवाद)



# मातृभूमि



ऊँचा खड़ा हिमालय  
आकाश चूमता है,  
नीचे चरण तले झुक,  
नित सिंधु झूमता है।

गंगा धमुन त्रिवेणी  
नदियाँ लहर रही हैं,  
जगमग छटा निराली,  
पग पग छहर रही हैं।

वह पुण्य-भूमि मेरी,  
वह स्वर्ण-भूमि मेरी।  
वह जन्मभूमि मेरी  
वह मातृभूमि मेरी।

झरने अनेक झरते  
जिसकी पहाड़ियों में,  
चिड़ियाँ चहक रही हैं,  
हो मस्त झाड़ियों में।



अमराइयाँ धनी हैं  
कोयल पुकारती है,  
बहती मलय पवन है,  
तन-मन सँवारती है।

वह धर्मभूमि मेरी,  
वह कर्मभूमि मेरी।  
वह जन्मभूमि मेरी  
वह मातृभूमि मेरी।

जन्मे जहाँ थे रघुपति,  
जन्मी जहाँ थी सीता,  
श्रीकृष्ण ने सुनाई,  
वंशी पुनीत गीता।

गौतम ने जन्म लेकर,  
जिसका सुयश बढ़ाया,  
जग को दया सिखाई,  
जग को दिया दिखाया।

वह युद्ध-भूमि मेरी,  
वह बुद्ध-भूमि मेरी।  
वह मातृभूमि मेरी,  
वह जन्मभूमि मेरी।

— सोहनलाल द्विवेदी



## कवि से परिचय

इस कविता को हिंदी के प्रसिद्ध कवियों में से एक सोहनलाल द्विवेदी जी ने लिखा है। उनका जन्म आज से लगभग सवा सौ साल पहले हुआ था। उस समय अंग्रेजों का भारत पर आधिपत्य था। उन्होंने अपनी लेखनी से अंग्रेजों का विरोध किया। उनकी लेखनी का सबसे प्रिय विषय था ‘देशभक्ति’। भारत के गौरव का गान करना उन्हें बहुत प्रिय था। उनकी कुछ और चर्चित रचनाएँ हैं—‘बढ़े चलो, बढ़े चलो’, ‘कोशिश करने वालों की हार नहीं होती’ आदि।



(1906–1988)

## पाठ से

आइए, अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करें। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।



### मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए—

(1) हिंद महासागर के लिए कविता में कौन-सा शब्द आया है?

- चरण
- वंशी
- हिमालय
- सिंधु

(2) मातृभूमि कविता में मुख्य रूप से—

- भारत की प्रशंसा की गई है।
- भारत के महापुरुषों की जय की गई है।
- भारत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की गई है।
- भारतवासियों की वीरता का बखान किया गया है।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?



## मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. हिमालय	1. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक।
2. त्रिवेणी	2. वसुदेव के पुत्र वासुदेव।
3. मलय पवन	3. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ।
4. सिंधु	4. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम।
5. गंगा-यमुना	5. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र।
6. रघुपति	6. दक्षिणी भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु।
7. श्रीकृष्ण	7. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ ‘श्रीमद्भगवद्गीता’, इसमें वे प्रश्न-उत्तर और संवाद हैं जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे।
8. सीता	8. समुद्र, एक नदी का नाम।
9. गीता	9. जनक की पुत्री जानकी।
10. गौतम बुद्ध	10. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत-माला।



## पंक्तियों पर चर्चा

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए—

“वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी।  
वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।”



## सोच-विचार के लिए

(क) कविता को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

1. कोयल कहाँ रहती है?
2. तन-मन कौन सँवारती है?
3. झरने कहाँ से झारते हैं?
4. श्रीकृष्ण ने क्या सुनाया था?
5. गौतम ने किसका यश बढ़ाया?

(ख) “नदियाँ लहर रही हैं

पग पग छहर रही हैं”

‘लहर’ का अर्थ होता है— पानी का हिलोरा, मौज, उमंग, वेग, जोश

‘छहर’ का अर्थ होता है— बिखरना, छिटराना, छिटकना, फैलना

कविता पढ़कर पता लगाइए और लिखिए—

- कहाँ-कहाँ छटा छहर रही हैं?
- किसका पानी लहर रहा है?



## कविता की रचना

“गंगा यमुन त्रिवेणी

नदियाँ लहर रही हैं”

‘यमुन’ शब्द यहाँ ‘यमुना’ नदी के लिए आया है। कभी-कभी कवि कविता की लय और सौंदर्य को बढ़ाने के लिए इस प्रकार से शब्दों को थोड़ा बदल देते हैं। यदि आप कविता को थोड़ा और ध्यान से पढ़ेंगे तो आपको और भी बहुत-सी विशेषताएँ पता चलेंगी। आपको जो विशेष बातें दिखाई दें, उन्हें आपस में साझा कीजिए और लिखिए। जैसे सबसे ऊपर इस कविता का एक शीर्षक है।



## मिलान

स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलते-जुलते भाव वाली पंक्तियों को रेखा खींचकर जोड़िए—